Roll. No. .....

O.M.R. Serial No. | | | | | | | | |

| Question Booklet Number |
|---|
| |

# B.A.LL.B (HONOURS)(SEM.-X) EXAMINATION, 2022
## ( For Regular, Exempted & Back Paper Students )
## BANKRUPTCY AND INSOLVENCY
## ( BALLB1005 )

| Paper Code | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | 0 | 0 | 5 |

| Question Booklet Series |
|---|
| A |

**Time : 1 : 30 Hours** **Max. Marks : 100**

**Instructions to the Examinee :**

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer any 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. If more than 75 questions are attempted by student, then the first attempted 75 questions will be considered for evaluation. All questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.

*(Remaining instructions on last page)*

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :**

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को किन्हीं 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। यदि छात्र द्वारा 75 से अधिक प्रश्नों को हल किया जाता है तो प्रारम्भिक हल किये हुए 75 प्रश्नों को ही मूल्यांकन हेतु सम्मिलित किया जाएगा। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गए हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, उसे तुरन्त बदल लें।

*(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)*

1. The adjudication petition should be made within a period of three months from the date when the property was sold and not when the sale was confirmed, held in :

(A) Kanai Lal Nandy V. Tinkari De, AIR 1933

(B) Gulabchand V. Dugra Bank Ltd. AIR 1954

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

2. Whether debtor is entitled to the order of adjudication as a matter of right ?

(A) Yes, if all the conditions satisfied

(B) Yes, if certain conditions are satisfied

(C) Yes, if all the conditions are not satisfied

(D) None of the above

3. Where The person admits that he owes money to the creditor and he is not able to pay the same then he cannot be adjudged as an insolvent, held in :

(A) Veerayya Chetty V. Doraiswamy Reddiar , AIR 1928

(B) Jamal Din V. Bishambar Dayal, AIR 1929

(C) Roop Chand Panna Lal V. Subedar M.A. Huq, AIR 1939

(D) None of the above

1. अधिनिर्णय याचिका उस तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर जानी चाहिए जब सम्पत्ति बेची गई थी, न कि जब बिक्री की पुष्टि की गई थी, किस मामले में कहा गया था ?

(A) कनई लाल नन्दी बनाम तिनकारी डे ए.आई.आर. 1933

(B) गुलाबचन्द बनाम दुर्गा बैंक लि. ए.आई.आर. 1954

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. क्या देनदार अधिकार के मामलों में न्यायनिर्णयन के आदेश का हकदार है?

(A) हाँ, यदि सभी शर्तें पूरी होती हैं

(B) हाँ, यदि कुछ शर्तें पूरी होती हैं

(C) हाँ, यदि सभी शर्तें पूरी नहीं होती हैं

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. जहाँ व्यक्ति यह स्वीकार करता है कि उस पर लेनदार का पैसा बकाया है और वह उसका भुगतान करने में सक्षम नहीं है, तो उसे दिवालिया घोषित नहीं किया जा सकता है, किस मामले में कहा गया था?

(A) वीरय्या चेट्टी बनाम दोराई स्वामी रेड्डीर, ए.आई.आर. 1928

(B) जमाल दीन बनाम बिशंबर दयाल, . ए.आई.आर. 1929

(C) रूप चन्द्र पन्ना लाल बनाम सूबेदार एम.ए. हक, ए.आई.आर. 1939

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. The burden to show the fraudulent nature of transaction is on the :

(A) Petitioner

(B) Defender

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

4. लेन-देन की कपटपूर्ण प्रकृति को दिखाने का भार किस पर है?

(A) याचिकाकर्ता

(B) डिफेन्डर

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

5. Section 6(1)(b) of the Act, 1920 is applicable only when :

(A) The debtor transfer his property with the intention to defeat

(B) The debtor transfer his property with the intention to delay all the creditors

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

5. अधिनियम, 1920 की धारा 6(1)(ब) तभी लागू होती है, जब :

(A) देनदार अपनी सम्पत्ति को हराने के इरादे से स्थानान्तरित करता है

(B) देनदार अपनी सम्पति को सभी लेनदारों को देरी करने के इरादे से स्थानान्तरित करता है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

6. Under Section 5, the Insolvency Court being a Civil Court has the powers to grant an injunction, held in :

(A) Ramnad District Central Cooperative Bank V. official Receiver of Ramnad, AIR 1954

(B) Banarsi Das V. Bhagat Ram, AIR 1934

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

6. धारा 5 के तहत, दिवाला न्यायालय एक दीवानी न्यायालय होने के कारण, निषेधाज्ञा देने की शक्तियाँ रखता है, किस मामले में कहा गया था?

(A) रामनाद जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक बनाम रामनाद को अधिकारिक रिसीवर, ए.आई.आर. 1954

(B) बनारसी दास बनाम भगत राम ए.आई.आर. 1934

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

7. Whether a civil judge has the powers of district judge under Section 3 of the provincial insolvency Act, 1920?

(A) Yes, although the Court of the civil judge is subordinate to that of the district judge

(B) Yes, although the Court of the civil judge is not subordinate to that of the district judge

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

8. The right of the partner to file a suit for accounts of dissolved partnership is a _____.

(A) Movable property

(B) Immovable property

(C) Both (A) and (B)

(D) All of the above

9. If the amount of debt is more than Rs. 5000 the insolvency proceedings should be conducted by whom?

(A) District judge

(B) Deputy Commissioner

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

7. क्या प्रांतीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 3 के तहत एक सिविल जज के पास जिला जज की शक्तियाँ हैं?

(A) हाँ, यद्यपि सिविल जज का कोर्ट जिला जज के अधीनस्थ होता है

(B) हाँ, यद्यपि सिविल जज का कोर्ट जिला जज के अधीनस्थ नहीं होता है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. भागीदार का अधिकार जोकि भागीदारी भंग करने के खातों के लिए है, वह ..... से सम्बन्धित है।

(A) चल सम्पत्ति

(B) अचल सम्पत्ति

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त सभी

9. यदि ऋण की राशि रु. 5000 से अधिक है तो दिवाला कार्यवाही किसके द्वारा संचालित की जानी चाहिए?

(A) जिला न्यायाधीश

(B) उपायुक्त

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

10. The term 'Debt' means an amount payable in regard to money demand, recoverable by action, held in :

(A) Banarasi Das Vs. Bhagat Ram AIR 1934

(B) Kewal Singh Vs. Ram Chander, AIR 1990

(C) Harkishan Lal Vs. Peoples Bank of Northern India Ltd. AIR 1936

(D) Bharat National Bank Ltd. Vs. Bishan Lal, AIR 1932

11. 'Debtor' is a person against whom the creditor had filed an insolvency application, held in :

(A) Thawerdas Jethanand Vs. Seth Vishandas Nihalchand, AIR 1925

(B) P.S. Ramaswami Iyer Vs. Subramaniam Chettiar, AIR 1938

(C) Bharat National Bank Ltd. Vs. Bishan Lal, AIR 1932

(D) None of the above

12. Property means the property of an insolvent, which he can dispose of whenever he wants, held in :

(A) Kewal Singh Vs. Ram Chander AIR 1990

(B) Vraj Kumar Bai Vs. Kunjbiharilal Krishna Chandra, AIR 1971

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

10. ऋण शब्द का अर्थ है, धन की मांग के सम्बन्ध में देय राशि, कार्यवाही द्वारा वसूली योग्य, किस मामले में कहा गया था?

(A) बनारसी दास बनाम भगत राम ए.आई.आर. 1934

(B) केवल सिंह बनाम रामचंदर ए.आई. आर. 1990

(C) हरकिशन लाल बनाम पीपल्स बैंक ऑफ नॉर्दर्न इण्डिया लि.ए.आई.आर. 1936

(D) भारत नेशनल बैंक लि. बनाम बिशन लाल ए.आई.आर. 1932

11. 'देनदार' एक ऐसा व्यक्ति है, जिसके खिलाफ लेनदार ने एक दिवाला आवेदन दायर किया था, किस मामले में कहा गया था?

(A) थावरदास जेठानन्द बनाम सेठ विशनदास निहालचन्द ए.आई.आर. 1925

(B) पी.एस. रामास्वामी अय्यर बनाम सुब्रमण्यम चेट्टियार ए.आई.आर. 1938

(C) भारत नेशनल बैंक लि. बनाम बिशन लाल ए.आई.आर. 1932

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

12. 'सम्पत्ति' का अर्थ है एक दिवालिया की व्यक्तिगत सम्पत्ति, जिसे वह जब चाहे, निपटान कर सकता है, कहा गया :

(A) केवल सिंह बनाम रामचन्द्र, ए.आई. आर. 1990

(B) ब्रज कुअर बाई बनाम कुंजबिहारी लाल कृष्ण चन्द्र, ए.आई.आर. 1971

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

13. Provisions related to 'Constitution and Powers of Court' is given under which section of the Provincial Insolvency Act 1920?

(A) Section 7-9

(B) Section 11-13

(C) Section 3-5

(D) None of the above

14. Provisions related to 'Proceedings consequent on the order of adjudication' is given under which section of the Provincial Insovency Act, 1920 ?

(A) Section 27-30

(B) Section 35-37

(C) Section 31-34

(D) None of the above

15. Provisions related to 'Order of adjudication' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 27-30

(B) Section 35-37

(C) Section 38-40

(D) None of the above

16. Provisions related to 'Annulment of adjudication' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 25-30

(B) Section 35-37

(C) Section 37-40

(D) None of the above

13. 'संविधान और न्यायालय की शक्तियों' से सम्बन्धित प्रावधान प्रांतीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत दिए गए हैं?

(A) धारा 7-9

(B) धारा 11-13

(C) धारा 3-5

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

14. प्रांतीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के अन्तर्गत 'न्याय निर्णयन के आदेश के फलस्वरूप कार्यवाही' से सम्बन्धित प्रावधान दिए गये हैं?

(A) धारा 27-30

(B) धारा 35-37

(C) धारा 31-34

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

15. प्रांतीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के अन्तर्गत 'निर्णय के आदेश' से सम्बन्धित प्रावधान दिए गये हैं?

(A) धारा 27-30

(B) धारा 35-37

(C) धारा 38-40

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

16. प्रांतीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के अन्तर्गत 'निर्णयन के विलोपन' से सम्बन्धित प्रावधान दिए गये हैं?

(A) धारा 25-30

(B) धारा 35-37

(C) धारा 37-40

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

17. The periods of limitation for appeals to the High Court shall be ..... .

(A) 15 days (B) 30 days

(C) 60 days (D) 90 days

17. उच्च न्यायालय में अपील की परिसीमा की अवधि ..... होगी।

(A) 15 दिन (B) 30 दिन

(C) 60 दिन (D) 90 दिन

18. The periods of limitation for appeals to the District Court shall be ..... .

(A) 15 days (B) 30 days

(C) 60 days (D) 90 days

18. जिला न्यायालय में अपील की परिसीमा की अवधि..... होगी।

(A) 15 दिन (B) 30 दिन

(C) 60 दिन (D) 90 दिन

19. Section 75 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Right of insolvent to surplus

(B) Limitation

(C) Costs

(D) Appeals

19. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 75 सम्बन्धित है :

(A) अधिशेष के दिवालिया होने का अधिकार

(B) सीमा

(C) लागत

(D) अपील

20. Provisions related to 'Disqualification of Insolvent' is given under which section of the Provincial Insolvency Act 1920 ?

(A) Section 68

(B) Section 72

(C) Section 73

(D) Section 74

20. 'दिवालियापन की अयोग्यता' से सम्बन्धित प्रावधान प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत दिया गया है?

(A) धारा 68

(B) धारा 72

(C) धारा 73

(D) धारा 74

21. Section 69 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Right of insolvent to surplus

(B) Special provisions in regard to immovable property

(C) No suit for dividend

(D) Offences by debtors

21. प्रांतीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 69 सम्बन्धित है :

(A) अधिशेष के दिवालिया होने का अधिकार

(B) अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में विशेष प्रावधान

(C) लाभांश के लिए कोई वाद नहीं

(D) देनदारों द्वारा अपराध

22. Provision related to 'Calculation of dividends' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 60

(B) Section 62

(C) Section 63

(D) Section 65

23. Section 61 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Priority of debts

(B) No suit for dividend

(C) Duties and Powers of a receiver

(D) None of the above

24. Provisions related to 'Distribution of Property' is given under which Sections of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Sections 56-60

(B) Sections 57-60

(C) Sections 61-67A

(D) None of the above

25. Section 59 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Powers of Court if no receiver appointed

(B) Power to require information regarding insolvency property

(C) Duties and powers of receiver

(D) None of the above

22. 'लाभांश की गणना' से सम्बन्धित प्रावधान प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा में दिया गया है?

(A) धारा 60

(B) धारा 62

(C) धारा 63

(D) धारा 65

23. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 61 सम्बन्धित है :

(A) ऋणों की प्राथमिकता

(B) लाभांश के लिए कोई वाद नहीं

(C) एक रिसीवर के कर्तव्य और शक्तियाँ

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

24. 'सम्पत्ति के वितरण' से सम्बन्धित प्रावधानों को प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 के किन धाराओं के तहत दिया गया है?

(A) धाराऐं 56-60

(B) धाराऐं 57-60

(C) धाराऐं 61-67A

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

25. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 59 सम्बन्धित है :

(A) यदि कोई रिसीवर नियुक्त नहीं है तो न्यायालय की शक्तियाँ

(B) दिवालिया सम्पत्ति के सम्बन्ध में जानकारी की अपेक्षा करने की शक्ति

(C) रिसीवर के कर्तव्य और शक्तियाँ

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

26. Provision related to 'Appeal to Court against receiver' is given under which section of the Act, 1920 ?

(A) Section 56

(B) Section 59

(C) Section 69

(D) None of the above

26. 'रिसीवर के विरुद्ध न्यायालय में अपील' से सम्बन्धित प्रावधान अधिनियम, 1920 की किस धारा में दिया गया है ?

(A) धारा 56

(B) धारा 59

(C) धारा 69

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

27. Provision related to 'Appointment' of receiver' is given under which section of the Act, 1920 ?

(A) Section 56

(B) Section 57

(C) Section 58

(D) None of the above

27. 'रिसीवर की नियुक्ति' से सम्बन्धित प्रावधान अधिनियम, 1920 की किस धारा में दिया गया है ?

(A) धारा 56

(B) धारा 57

(C) धारा 58

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

28. Provisions related to 'Realisation of Property' is given under which sections of the Act, 1920 ?

(A) Sections 56-60

(B) Sections 60-65

(C) Sections 50-55

(D) None of the above

28. अधिनियम, 1920 की किन धाराओं के अन्तर्गत 'सम्पत्ति की वसूली' से सम्बन्धित प्रावधानों को दिया गया है?

(A) धारायें 56-60

(B) धारायें 60-65

(C) धारायें 50-55

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

29. Provision related to 'Avoidance of preference in certain cases' is given under which section of the Act, 1920 ?

(A) Section 48

(B) Section 53

(C) Section 54

(D) Section 55

29. अधिनियम, 1920 की किस धारा के अन्तर्गत 'कुछ मामलों में वरीयता के परिहार' से सम्बन्धित प्रावधान दिया गया है?

(A) धारा 48

(B) धारा 53

(C) धारा 54

(D) धारा 55

30. Section 53 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Avoidance of Voluntary transfer

(B) Power of annul adjudication of insolvency

(C) Restriction of Rights of creditor under execution

(D) Order of adjudication

31. When did the Insolvency and Bankruptcy Code 2016 receive the President's assert ?

(A) 5 August 2016

(B) 28 May 2016

(C) 5 May 2016

(D) 15 June 2016

32. _____ allows more than one Court to have the authority to hear the same case.

(A) Original Jurisdiction

(B) Concurrent Jurisdiction

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

33. Whether a Pardanashin lady can be called as a witness?

(A) Yes, if the Court wants in any circumstances

(B) Yes, if the Court suspects her to be in possession of the insolvent's property

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

30. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 53 सम्बन्धित है :

(A) स्वैच्छिक स्थानान्तरण से बचाव

(B) दिवाला के अधिनिर्णय को रद्द करने की शक्ति

(C) निष्पादन के तहत लेनदार के अधिकारों का प्रतिबन्ध

(D) न्याय निर्णयन का आदेश

31. दिवाला और दिवालिया पर संहिता, 2016 को राष्ट्रपति की सहमति कब मिली?

(A) 5 अगस्त 2016

(B) 28 मई 2016

(C) 5 मई 2016

(D) 15 जून 2016

32. ..... एक से अधिक न्यायालयों को एक ही मामले की सुनवाई करने का अधिकार देने की अनुमति देता है।

(A) मूल क्षेत्राधिकार

(B) समवर्ती क्षेत्राधिकार

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

33. क्या पर्दानशीन महिला को साक्षी के रूप में बुलाया जा सकता है?

(A) हाँ, यदि न्यायालय चाहे तो किसी भी परिस्थिति में

(B) हाँ, यदि न्यायालय को संदेह है कि उसके पास दिवालिया की सम्पत्ति है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

34. Section 56 is not application to _____ .

(A) The cases where the insolvent's title over the property is in questions

(B) The cases where the insolvent's title over the property is not in questions

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

35. Whether interim receiver can take immediate possession of the whole or any part of property ?

(A) Yes, without any direction of the Court

(B) Yes, on the direction of the Court

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

36. The Property is not reverted once the _____ is passed.

(A) Decision

(B) Order

(C) Discharge order

(D) None of the above

37. 'Bench' means _____ .

(A) A bench of the adjudicating authority

(B) Bench of Advocates

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

34. धारा 56 लागू नहीं होती है.....।

(A) मामले जहाँ सम्पत्ति पर दिवालिया का मालिकाना हक सवालों के घेरे में है

(B) मामले जहाँ सम्पत्ति पर दिवालिया का मालिकाना हक सवालों के घेरे में नहीं है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

35. क्या अन्तरिम रिसीवर पूरी सम्पत्ति या उसके किसी हिस्से पर तत्काल कब्जा कर सकता है?

(A) हाँ, बिना किसी न्यायालय निर्देश पर

(B) हाँ, न्यायालय के निर्देश पर

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

36. एक बार ..... पारित होने के बाद सम्पत्ति वापस नहीं की जाती है।

(A) निर्णय

(B) आदेश

(C) निर्वहन आदेश

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

37. बेंच का अर्थ है :

(A) न्याय निर्णयन प्राधिकारी की एक पीठ

(B) अधिवक्ताओं की बेंच

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

38. The Provincial Insolvency Act was enacted in the year of ..... .

(A) 1919

(B) 1918

(C) 1920

(D) 2020

38. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम सन् .....में अधिनियमित किया गया था।

(A) 1919

(B) 1918

(C) 1920

(D) 2020

39. _____ is a legal proceeding involving a person or business that is unable to repay their outstanding debts.

(A) Insolvency

(B) Bankruptcy

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

39. .....एक कानूनी कार्यवाही है, जिसमें एक व्यक्ति पर व्यवसाय शामिल है जो अपने बकाया ऋणों को चुकाने में असमर्थ है।

(A) दिवाला

(B) दिवालियापन

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

40. _____ is a state of financial distress in which a person or business is unable to pay their debts.

(A) Insolvency

(B) Bankruptcy

(C) Lender

(D) None of the above

40. ..... वित्तीय संकट की वह स्थिति है, जिसमें कोई व्यक्ति या व्यवसाय अपने ऋण का भुगतान करने में असमर्थ होता है।

(A) दिवाला

(B) दिवालियापन

(C) लेन्डर

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

41. _____ means on Interest or lien created on the property or assets of any person or any of its undertakings or both, as the case may be as security and includes a mortgage.

(A) Debt

(B) Security

(C) Charge

(D) Mortgage

41. ..... का अर्थ है किसी व्यक्ति या उसके किसी उपक्रम या दोनों, जैसा भी मामला हो की सम्पत्ति या सम्पत्ति पर सुरक्षा के रूप में बनाया गया ब्याज या ग्रहणाधिकार और इसमें एक बन्धक भी शामिल है।

(A) ऋण

(B) सुरक्षा (प्रतिभूति)

(C) भार

(D) बन्धक रखने वाला

42. _____ means a liability or obligation in respect of a claim which is due from any person and includes a financial debt and operational debt.

(A) Debt (B) Security

(C) Credit (D) Interest

43. _____ means a corporate person who owes a debts to any person.

(A) Corporate debtor

(B) Corporate creditor

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

44. _____ means any person to whom a debt is owed and includes a financial creditor and decree holder.

(A) Creditor

(B) Debtor

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

45. _____ means non-payment of debt when whole or any part of installment of the amount of debt has become due and payable and is not repaid by the debtor or the corporate debtor, as the case may be.

(A) Loan

(B) Default

(C) Obligation

(D) Liability

42. ..... का अर्थ किसी ऐसे दावे के सम्बन्ध में दायित्व या आभार है जो कि किसी व्यक्ति से देय है और इसमें वित्तीय ऋण और परिचालन ऋण शामिल है।

(A) ऋण (B) प्रतिभूति

(C) क्रेडिट (D) इन्टरेस्ट

43. ..... अर्थ एक कार्पोरेट व्यक्ति जो किसी भी व्यक्ति को कर्ज देता है।

(A) कॉर्पोरेट देनदार

(B) कॉर्पोरेट लेनदार

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

44. ..... का अर्थ कोई भी व्यक्ति जिस पर कर्ज बकाया है और इसमें एक वित्तीय लेनदार और डिक्रीधारक शामिल है।

(A) लेनदार

(B) देनदार

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

45. ..... का अर्थ है ऋण का भुगतान न करना जब ऋण की राशि का पूरा या कोई भाग या किस्त देय और देय हो गया हो और देनदार या कॉर्पोरेट देनदार द्वारा चुकाया नहीं गया हो, जैसा भी मामला हो।

(A) लोन

(B) डिफॉल्ट

(C) आभार

(D) दायित्व

46. 'Financial institution' means :

(A) A scheduled Bank

(B) Financial institution as defined in the R.B.I. Act, 1934

(C) Public financial institution as defined in the companies act, 2013

(D) All of the above

47. Who can initiate corporate insolvency resolution process?

(A) Corporate debtor

(B) Financial Creditor and Operational creditor

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

48. Who is 'Operational Creditor'?

(A) Creditor whose liability subsists upto 6 months and is listed in the balance sheet

(B) Person to whom an operational debt is owed and included any person to whom such debt has been legally assigned or transferred

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

46. 'वित्तीय संस्था' का अर्थ है :

(A) एक अनुसूचित बैंक

(B) आर.बी.आई., अधिनियम, 1934 में परिभाषित वित्तीय संस्थान

(C) कम्पनी अधिनियम, 2013 में परिभाषित सार्वजनिक वित्तीय संस्थान

(D) उपरोक्त सभी

47. कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया कौन शुरू कर सकता है?

(A) कॉर्पोरेट लेनदार

(B) वित्तीय लेनदार और परिचालन लेनदार

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

48. 'ऑपरेशनल क्रेडिटर' कौन है?

(A) लेनदार जिसका दायित्व 6 महीने तक रहता है और बैलेंस शीट में सूचीबद्ध है

(B) वह व्यक्ति जिस पर एक परिचालन ऋण बकाया है और इसमें कोई भी व्यक्ति शामिल हैं, जिसे ऐसा ऋण कानूनी रूप से सौंपा या स्थानान्तरित किया गया है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

49. Which of the following is not an operational debt ?

(A) Deferred Income Tax

(B) Payment to be made to the supplier of the company

(C) Any amount raised under any other transaction, including any forward sale or purchase agreement having the commercial effect of borrowing

(D) Retirement benefits payable under pension plan

50. The term 'Insolvency Jurisdiction' is defined under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920.

(A) Section 2 (B) Section 3

(C) Section 4 (D) Section 5

51. 'Power of Court to decide all questions arising in insolvency' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920?

(A) Section 4 (B) Section 5

(C) Section 6 (D) Section 7

52. Who is the adjudicating authority for Corporate Insolvency Resolution Process?

(A) Debt Recovery Tribunal (DRT)

(B) National Company Law Tribunal (NCLT)

(C) High Court

(D) Board for Industrial and financial Reconstruction

49. निम्नलिखित में से कौन एक ऑपरेशनल डेट (ऋण) नहीं है?

(A) आस्थगित आयकर

(B) कम्पनी के आपूर्तिकर्ता को किया गया भुगतान

(C) किसी भी अन्य लेन-देन के तहत जुटाई गई कोई भी राशि, जिसमें कोई वायदा बिक्री या खरीद समझौता शामिल है, जिस उधार पर वाणिज्यिक प्रभाव है

(D) पेंशन योजना के तहत देय सेवानिवृत्ति लाभ

50. 'दिवाला क्षेत्राधिकार' शब्द को प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा में परिभाषित किया गया है?

(A) धारा 2 (B) धारा 3

(C) धारा 4 (D) धारा 5

51. 'दिवालियापन में उत्पन्न होने वाले सभी प्रश्नों को तय करने की न्यायालय की शक्ति' प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत दी गयी है?

(A) धारा 4 (B) धारा 5

(C) धारा 6 (D) धारा 7

52. कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए निर्णायक प्राधिकरण कौन है?

(A) ऋण वसूली न्यायाधिकरण

(B) नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल

(C) उच्च न्यायालय

(D) औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड

53. Who can apply to the Court for protection?

(A) any insolvent

(B) any company

(C) both (A) and (B)

(D) none of the above

54. Provision related to 'Protection Order' is given under :

(A) Section 29 of the Act, 1920

(B) Section 32 of the Act, 1920

(C) Section 30 of the Act, 1920

(D) Section 31 of the Act, 1920

55. Section 32 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Powers to arrest after adjudication

(B) Board for Industrial and financial Reconstruction

(C) Appointment of Interim receiver

(D) Debt recovery Tribunal (DRT)

56. What are the contents of an order of adjudication?

(A) Name, address and description of the insolvent

(B) The date of the adjudication

(C) The period within which the debtor shall apply for his discharge

(D) All of the above

53. न्यायालय में सुरक्षा के लिए कौन आवेदन कर सकता है?

(A) कोई भी दिवालिया

(B) कोई भी कम्पनी

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

54. 'संरक्षण आदेश' से सम्बन्धित प्रावधान ..... ..... के तहत दिया गया है।

(A) अधिनियम, 1920 की धारा 29

(B) अधिनियम, 1920 की धारा 32

(C) अधिनियम, 1920 की धारा 30

(D) अधिनियम, 1920 की धारा 31

55. प्रान्तीय दिवालिया अधिनियम, 1920 धारा 32 सम्बन्धित है :

(A) निर्णय के बाद गिरफ्तार करने की शक्ति

(B) औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड

(C) अन्तरिम रिसीवर की नियुक्ति

(D) ऋण वसूली न्यायाधिकरण (DRT)

56. निर्णय के आदेश की सामग्रियाँ क्या हैं?

(A) दिवालिया का नाम, पता और विवरण

(B) निर्णय की तारीख

(C) वह अवधि जिसके भीतर देनदार अपने निर्वहन के लिए आवेदन करेगा

(D) उपरोक्त सभी

57. Section 30 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Publication of order of adjudication

(B) Appointment of Interim receiver

(C) Release of debtor

(D) Order of adjudication

57. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 30 सम्बन्धित है :

(A) न्याय निर्णयन के आदेश का प्रकाशन

(B) अन्तरिम रिसीवर की नियुक्ति

(C) देनदार की रिहाई

(D) न्यायनिर्णयन का आदेश

58. Provision related to 'Effect of an order of adjudication' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 24

(B) Section 29

(C) Section 26

(D) Section 28

58. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के अन्तर्गत 'न्याय निर्णयन के आदेश का प्रभाव' से सम्बन्धित प्रावधान दिया गया है?

(A) धारा 24

(B) धारा 29

(C) धारा 26

(D) धारा 28

59. On which of the following grounds Court may give compensation ?

(A) The Petition was frivolous

(B) The Petition was vexatious

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

59. निम्नलिखित में से किस आधार पर न्यायालय मुआवजा दे सकता है?

(A) याचिका तुच्छ थी

(B) याचिका कष्टप्रद थी

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

60. According to Section 25 of the Provincial Insolvency Act, 1920 the amount of the award would be :

(A) Not exceeding one thousand

(B) Not exceeding two thousand

(C) Not exceeding three thousand

(D) Not exceeding four thousand

60. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 25 के अनुसार पुरस्कार की राशि होगी :

(A) एक हजार से अधिक नहीं

(B) दो हजार से अधिक नहीं

(C) तीन हजार से अधिक नहीं

(D) चार हजार से अधिक नहीं

61. On which of the following grounds a creditor can move an application for debtor's arrest?

(A) If there is no protection order in favour of the debtor

(B) If no adjudication had taken place in favour the debtor

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

62. 'Acts of Insolvency' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 5 (B) Section 6

(C) Section 7 (D) Section 8

63. Section 5 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Powers of the Courts

(B) Operational Creditor

(C) Debtor

(D) Jurisdiction

64. In which of the following cases a debtor commits an act of insolvency ?

(A) If, he makes a transfer of all or substantially all his property to a third person for benefit of his creditors generally

(B) If, he makes a transfer of his property or of any part thereof which intent to defeat or delay his creditors

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

61. निम्नलिखित में से किन आधारों पर एक लेनदार देनदार की गिरफ्तारी के लिए एक आवेदन प्रस्तुत कर सकता है?

(A) यदि देनदार के पक्ष में कोई सुरक्षा आदेश न हुआ हो

(B) यदि देनदार के पक्ष में कोई निर्णय नहीं हुआ था

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

62. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत 'दिवाला के कृत्यों' को दिया गया है?

(A) धारा 5 (B) धारा 6

(C) धारा 7 (D) धारा 8

63. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 5 सम्बन्धित है :

(A) न्यायालयों के शक्तियों से

(B) ऑपरेशनल क्रेडिटर से

(C) देनदार से

(D) क्षेत्राधिकार से

64. निम्नलिखित में से किन मामलों में एक देनदार दिवाला का कार्य करता है ?

(A) यदि एक आमतौर पर अपने लेनदारों के लाभ के लिए किसी तीसरे व्यक्ति को अपनी पूरी या पर्याप्त रूप से सभी सम्पत्ति का हस्तान्तरण करता है

(B) यदि, वह अपने लेनदारों को हराने के लिए या देरी करने के इरादे से अपनी सम्पत्ति या उसके किसी हिस्से का हस्तान्तरण करता है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

65. Which of the following is not a financial debt?

(A) Any amount raised by acceptance under any acceptance credit facility

(B) Receivables, sold or discounted other than any receivable sold on non-recourse basis

(C) Contract to pay rent for the use of plant, property or equipment

(D) All of the above

66. On which of the following grounds Court shall dismiss a petition presented by a debtor ?

(A) If court is not satisfied of his right to present the petition

(B) If court is satisfied of his right to present the petition

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

67. Section 25 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Duties of debtors

(B) Appointment of interim receiver

(C) Release of debtor

(D) Dismissal of petition

68. Whether Court can grant time to debtor or creditor to produce any evidence?

(A) Yes, if sufficient cause is shown

(B) Yes, if relevant time is over

(C) yes, if evidence is not given

(D) None of the above

65. निम्नलिखित में से कौन वित्तीय ऋण नहीं है ?

(A) किसी भी स्वीकृत क्रेडिट सुविधा के तहत स्वीकृत द्वारा जुटाई गई कोई राशि

(B) गैर-आश्रय के आधार पर बेचे गये किसी भी प्राप्य के अलावा बिक्री या छूट प्राप्त प्राप्तियाँ

(C) संयत्र, सम्पत्ति या उपकरण के उपयोग के लिए किराए का भुगतान करने का अनुबन्ध

(D) उपरोक्त सभी

66. निम्नलिखित में से किस आधार पर कोर्ट देनदार द्वारा प्रस्तुत याचिका को खारिज कर देगी?

(A) यदि अदालत याचिका पेश करने के अपने अधिकार से सन्तुष्ट नहीं है

(B) यदि अदालत याचिका पेश करने के अपने अधिकार से संतुष्ट है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

67. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 25 सम्बन्धित है :

(A) देनदारों के कर्तव्य से

(B) अन्तरिम रिसीवर की नियुक्ति से

(C) देनदार की रिहाई से

(D) याचिका को खारिज करने से

68. क्या न्यायालय देनदार या लेनदार को सबूत पेश करने के लिए समय दे सकती है ?

(A) हाँ, यदि पर्याप्त कारण दिखाया गया है

(B) हाँ, यदि प्रासंगिक समय समाप्त हो गया है

(C) हाँ, यदि साक्ष्य नहीं दिया हो

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

69. 'Produce at hearing' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920?

(A) Section 22

(B) Section 23

(C) Section 24

(D) Section 25

70. Section 23 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Procedure at hearing

(B) Appointment of interim receiver

(C) Release of debtor

(D) Duties of creditor

71. What are the duties of debtors?

(A) Produce all books

(B) give inventories of his property

(C) Lists of his creditors and debtors

(D) All of the above

72. What are the contents of the petition?

(A) A statement that the debtor is unable to pay his debts

(B) The amount and particulars of all pecuniary claims against him

(C) The amount and particulars of all his property

(D) All of the above

69. 'सुनवाई की प्रक्रिया' प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत दिया गया है?

(A) धारा 22

(B) धारा 23

(C) धारा 24

(D) धारा 25

70. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 23 सम्बन्धित है :

(A) सुनवाई की प्रक्रिया से

(B) अन्तरिम रिसीवर की नियुक्ति से

(C) देनदार की रिहाई से

(D) लेनदार के कर्तव्य से

71. देनदारों के कर्तव्य क्या है?

(A) सभी किताबें तैयार करें

(B) अपनी सम्पत्ति की सूची दें

(C) उसके लेनदारों और देनदारों की सूची

(D) उपरोक्त सभी

72. याचिका की सामग्रियाँ क्या हैं?

(A) एक कथन कि देनदार अपने कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ है

(B) उसके खिलाफ सभी आर्थिक दावों की राशि और विवरण

(C) उसकी सभी सम्पत्ति की राशि और विवरण

(D) उपरोक्त सभी

73. Every Insolvency Petition shall be in writing and shall be _____ in the manner prescribed.

(A) Signed

(B) Verified

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

74. Every Insolvency petition shall be verified in the manner prescribed _____ .

(A) By the Code of Civil Procedure, 1908

(B) By the Code of Criminal Procedure 1973

(C) By the Indian Evidence Act, 1872

(D) None of the above

75. Provision related to 'Verification of Petition' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 8

(B) Section 10

(C) Section 12

(D) Section 15

73. प्रत्येक दिवाला याचिका लिखित में होगी और . ..... निर्धारित तरीके से होगी।

(A) हस्ताक्षरित

(B) सत्यापित

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

74. प्रत्येक दिवाला याचिका को निर्धारित तरीके से किया जायेगा इसके सम्बन्ध में तरीका दिया गया है :

(A) नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908 में

(B) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 में

(C) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

75. 'याचिका के सत्यापन' से सम्बन्धित प्रावधान प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत दिया गया है?

(A) धारा 8

(B) धारा 10

(C) धारा 12

(D) धारा 15

76. Every Insolvency Petition shall be presented to a Court having jurisdiction under this Act, any local area in which :

(A) The debtor ordinarily resides

(B) The debtor carries on business

(C) The debtor personally works for gain

(D) All of the above

77. A debtor shall not be entitled to present an insolvency petition, unless :

(A) he is able to pay his debt

(B) he is unable to pay his debt

(C) both (A) and (B)

(D) none of the above

78. No Insolvency Petition shall be presented against _____ registered under any enactment for the time being enforce.

(A) any corporation

(B) any association

(C) any company

(D) any corporation or any association or any company

76. प्रत्येक दिवाला याचिका ऐसे न्यायालय में प्रस्तुत की जायेगी जो किसी स्थानीय क्षेत्र जो कि इस अधिनियम में प्रावधानित है, जिसमें :

(A) देनदार आमतौर पर रहता है

(B) देनदार व्यवसाय करता है

(C) देनदार व्यक्तिगत रूप से लाभ के लिए काम करता है

(D) उपरोक्त सभी

77. एक देनदार दिवाला याचिका पेश करने का हकदार नहीं होगा, जब तक कि :

(A) वह अपने कर्ज का भुगतान करने में सक्षम है

(B) वह अपने कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ है

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

78. तत्समय लागू किसी अधिनियम के तहत पंजीकृत ..... के खिलाफ कोई दिवाला याचिका प्रस्तुत नहीं की जायेगी।

(A) किसी निगम

(B) किसी एसोसिएशन

(C) किसी कम्पनी

(D) किसी निगम अथवा किसी एसोसिएशन अथवा किसी कम्पनी

79. Provision related to 'Exemption of Corporation' is given under which section of provincial Insolvency Act, 1920?

(A) Section 7

(B) Section 8

(C) Section 9

(D) Section 10

79. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत 'निगम को छूट' का प्रावधान किया गया है?

(A) धारा 7

(B) धारा 8

(C) धारा 9

(D) धारा 10

80. Whether an operational creditor can assign or legally transfer any operational debt to a financial creditor?

(A) Yes, However, the transferee shall be considered as an operational creditor to such extent of transfer

(B) No, the transferee shall be considered as a financial creditor in relation to such transfer

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

80. क्या एक परिचालन लेनदार किसी वित्तीय लेनदार को कोई परिचालन ऋण सौप सकता है या कानूनी रूप से हस्तान्तरित कर सकता है?

(A) हाँ, किन्तु, अंतरिती को इस हद तक हस्तांतरण के लिए एक परिचालन लेनदार के रूप में माना जायेगा

(B) नहीं, इस तरह के हस्तांतरण के सम्बन्ध में अन्तरिती को वित्तीय लेनदार के रूप में माना जायेगा

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

81. Who may present an Insolvency Petition?

(A) A creditor

(B) A debtor

(C) Either a creditor or the debtor

(D) None of the above

81. दिवाला याचिका कौन प्रस्तुत कर सकता है?

(A) लेनदार

(B) देनदार

(C) या तो लेनदार या देनदार

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

82. Section 9 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Conditions on which debtor may petition

(B) Conditions on which creditor may petition

(C) Exemption of corporation

(D) None of the above

83. A creditor shall not be entitled to present an Insolvency Petition against a debtor unless:

(A) The debt owing by the debtor to the creditor, if two or more creditors join in the petition, the aggregate amount of debts owing to such creditors, amounts to five hundred rupees and

(B) The debt is a liquidated sum payable either immediately or at some certain future time and

(C) The act of insolvency on which the petition is grounded has occured within three months before the presentation of the petition

(D) All of the above

84. Section 21 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Procedure on admission of petition

(B) Appointment of receiver

(C) Interim proceedings against debtor

(D) Duties of debtors

82. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 9 सम्बन्धित है :

(A) शर्तें जिन पर देनदार याचिका दायर कर सकता है, से

(B) शर्तें जिनपर लेनदार याचिका दायर कर सकता है, से

(C) निगमन को छूट से

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

83. एक लेनदार किसी देनदार के खिलाफ दिवाला याचिका पेश करने का तब तक हकदार नहीं होगा जब तक कि :

(A) देनदार द्वारा लेनदार को देय ऋण या यदि दो या दो से अधिक लेनदार याचिका में शामिल होते हैं, तो ऐसे लेनदारों के कारण ऋण की कुल राशि पाँच सौ रुपये हो और

(B) ऋण एक परिसमापन राशि है जो या तो तुरन्त या भविष्य के किसी निश्चित समय पर देय है, और

(C) दिवाला कार्य जिसपर याचिका का आधार है, याचिका की प्रस्तुति तीन महीने के भीतर हुआ है

(D) उपरोक्त सभी

84. दिवाला प्रान्तीय अधिनियम, 1920 की धारा 21 सम्बन्धित है :

(A) याचिका स्वीकार करने की प्रक्रिया से

(B) अंतरिम रिसीवर की नियुक्ति से

(C) देनदार के खिलाफ अन्तरिम कार्यवाही से

(D) देनदारों के कर्तव्य से

85. Who can appoint interim receiver?

(A) Court

(B) Creditor

(C) Debtor

(D) All of the above

86. "If the first petition is dismissed because the evidence could not be produced the principle of res judicata will not apply to it". held in :

(A) Siya Ram Vs. Bohra Kishori Lal AIR 1933

(B) Hasan Din Vs. Kripa Ram AIR 1928

(C) Ram Das Vs. Sultan Husain Khan AIR 1929

(D) None of the above

87. The Insolvent Court can sell the property of the insolvent even after the discharge order. This statement is :

(A) True

(B) False

(C) Partially true

(D) Partially false

88. Surety is liable after the insolvent is discharged from liability. This statement is :

(A) True

(B) False

(C) Partially True

(D) Partially False

85. अन्तरिम रिसीवर की नियुक्ति कौन कर सकता है?

(A) न्यायालय

(B) लेनदार

(C) देनदार

(D) उपरोक्त सभी

86. यदि पहली याचिका खारिज कर दी जाती है, क्योंकि सबूत पेश नहीं किया जा सका, तो उसपर रेस जुडिकेटा का सिद्धान्त लागू नहीं होगा, में कहा गया :

(A) सियाराम बनाम बोहरा किशोरी लाल ए.आई.आर. 1933

(B) हसन दीन बनाम कृपा राम ए.आई.आर. 1928

(C) रामदास बनाम सुल्तान हुसैन खान ए.आई.आर. 1929

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

87. दिवाला न्यायालय आर्डर के बाद भी दिवालिया सम्पत्ति को बेच सकता है। यह कथन .... है।

(A) सत्य

(B) असत्य

(C) आंशिक रूप से सत्य

(D) आंशिक रूप से असत्य

88. दिवालिया के दायित्व से मुक्त होने के बाद भी जमानतदार उत्तरदायी है। यह कथन .... है।

(A) सत्य

(B) असत्य

(C) आंशिक रूप से सत्य

(D) आंशिक रूप से असत्य

89. A co-debtor will not be discharged if a debtor is discharged for the same debt. This statement is :

(A) True

(B) False

(C) Partially True

(D) Partially False

90. What is insolvency commencement date?

(A) The date on which a financial creditor, corporate applicant or operational creditor makes an application to the Adjudicating Authority for initiating Corporate insolvency resolution process

(B) The date of admission of an application by a financial creditor, corporate applicant or operational creditor for initiating corporate insolvency resolution process by the Adjudicating Authority

(C) The date on which a financial creditor, corporate applicant or operational creditor realise the insolvent status of the corporate debtor

(D) None of the above

91. Act of an agent may be the act of _____ .

(A) Agent

(B) The Principle

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

89. एक सह-देनदार को छूट नहीं दी जायेगी, किन्तु एक देनदार को उसी ऋण के लिए छूट दे दी जायेगी। यह कथन ..... है।

(A) सत्य

(B) असत्य

(C) आंशिक रूप असत्य

(D) आंशिक रूप से सत्य

90. दिवाला प्रारम्भ करने की तिथि क्या है?

(A) वह तिथि जिसपर एक वित्तीय लेनदार, कॉर्पोरेट आवेदक, ऑपरेशनल लेनदार कार्पोरेट दिवाला शुरू करने के लिए न्यायनिर्णायक प्राधिकरण को एक आवेदन करता है

(B) एक वित्तीय लेनदार, कार्पोरेट आवेदक द्वारा आवेदन के प्रवेश की तिथि या कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए निर्णायक प्राधिकरण में आवेदन

(C) वह तिथि जिसपर एक वित्तीय लेनदार कॉर्पोरेट आवेदक या ऑपरेशनल क्रेडिटर, कॉर्पोरेट देनदार की दिवालिया स्थिति का एहसास कराता है

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

91. एक ऐजेन्ट का कार्य ..... का कार्य होता है।

(A) एजेन्ट

(B) प्रिंसिपल

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

92. An Insolvency notice shall specify for its compliance a period of not less than _____ after its service on the debtor.

(A) 15 days

(B) One months

(C) Two months

(D) Three months

92. देनदार पर अपनी सेवा के बाद एक दिवाला नोटिस के इसके अनुपालन के लिए कम से कम ..... की अवधि निर्दिष्ट करेगा।

(A) पन्द्रह दिन

(B) एक माह

(C) दो माह

(D) तीन माह

93. Section 6(5) of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Ground to set aside the insolvency notice

(B) Petition and adjudication

(C) Exemption of Corporation

(D) None of the above

93. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 6(5) सम्बन्धित है :

(A) दिवाला नोटिस को रद्द करने का आधार से

(B) याचिका एवं अधिनिर्णय से

(C) निगम को छूट से

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

94. No insolvency notice shall be served on a debtor residing, whether permanently or temporarily, outside India, unless the _____ obtains the gave of the District Court therefore.

(A) Debtor

(B) Creditor

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

94. भारत से बाहर स्थायी रूप से या अस्थायी रूप से रहने वाले किसी देनदार पर कोई दिवाला नोटिस नहीं दिया जायेगा, जब तक कि ..... को इसके लिए जिला न्यायालय की अनुमति प्राप्त नहीं हो जाती है।

(A) देनदार

(B) लेनदार

(C) दोनों (A) और (B)

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

95. Section 13 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Place of Court where Insolvency Petition shall be presented

(B) Verification of Petition

(C) Contents of Petition

(D) None of the above

95. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 13 सम्बन्धित है :

(A) दिवाला याचिका प्रस्तुत की जाने वाली कोर्ट का स्थान से

(B) याचिका के सत्यापन से

(C) याचिका की सामग्री से

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

96. Provision related to 'Conditions on which debtor may Petition' is given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920?

(A) Section 9

(B) Section 10

(C) Section 11

(D) Section 12

96. 'शर्तें जिन पर देनदार याचिका कर सकता है' प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत दी गई है ?

(A) धारा 9

(B) धारा 10

(C) धारा 11

(D) धारा 12

97. Section 7 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) An Insolvency Notice

(B) Petition and adjudication

(C) Acts of Insolvency

(D) None of the above

97. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 7 सम्बन्धित है :

(A) एक दिवाला नोटिस से

(B) याचिका एवं अधिनिर्णय

(C) दिवालिया कार्य

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

98. Which of the following activities does not amount to concealment of Property ?

(A) Where officer of the corporate debtor fraudulently removed any part of the property of the corporated debtor of the value of ten thousand rupees or more

(B) Where the officer of the corporate debtor wilfully made any false entry in any book

(C) Where the officer of the corporate debtor concealed 9 gift made to the corporate debtor

(D) None of the above

99. The Provision related to 'Discharge' in given under which section of the Provincial Insolvency Act, 1920 ?

(A) Section 30

(B) Section 34

(C) Section 40

(D) Section 41

100. Section 51 of the Provincial Insolvency Act, 1920 deals with :

(A) Adjudication to be annulled on failure to apply for discharge

(B) Restriction of rights of creditor under execution

(C) Disallowance and reduction of entries in schedule

(D) None of the above

98. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि सम्पत्ति को छुपाने की राशि नहीं हैं?

(A) जहाँ कॉर्पोरेट देनदार के अधिकारी ने, कॉर्पोरेट देनदार की ऐसी सम्पत्ति जिसका मूल्य दस हजार रुपये या उसके अधिक हो, को धोखे से सम्पत्ति के किसी हिस्से को हटा दिया गया है

(B) जहाँ देनदार के अधिकारी ने जानबूझकर किसी पुस्तक में झूठी निर्दिष्टि की है

(C) जहाँ देनदार के अधिकारी ने कार्पोरेट देनदार को दिये गये उपहार को छिपाया है

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

99. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की किस धारा के तहत 'मुक्ति' का प्रावधान दिया गया है?

(A) धारा 30

(B) धारा 34

(C) धारा 40

(D) धारा 41

100. प्रान्तीय दिवाला अधिनियम, 1920 की धारा 51 सम्बन्धित है :

(A) निर्वहन के लिए आवेदन करने में विफलता पर निर्णय रद्द कर दिया जायेगा

(B) निष्पादन के तहत लेनदार के अधिकारों का प्रतिबन्ध

(C) अनुसूची में प्रविष्टियों की अस्वीकृति और कमी

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

## Rough Work / रफ कार्य

**Example :**

**Question :**

Q.1 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

Q.2 Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

Q.3 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

4. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.

5. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.

6. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.

7. After the completion of the examination, candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.

8. There will be no negative marking.

9. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.

10. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.

11. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

**Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question Booklet, then after showing it to the invigilator, get another question Booklet of the same series.**

**उदाहरण :**

**प्रश्न :**

प्रश्न 1 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

प्रश्न 2 Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

प्रश्न 3 Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

4. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।

5. सभी उत्तर केवल ओ०एम०आर० उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।

6. ओ०एम०आर० उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।

7. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।

8. निगेटिव मार्किंग नहीं है।

9. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।

10. परीक्षा-कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।

11. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

**महत्वपूर्णः प्रश्नपुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्नपुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्नपुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सिरीज की दूसरी प्रश्नपुस्तिका प्राप्त कर लें।**